an>

title: Need to set up a monitoring committee for proper disposal of waste containing mercury.

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी (चित्तौड़गढ़) ः मैं आज देश के एक बहुत ही ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दे की ओर माननीय पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री जी का ध्यानाकर्षण कराना चाहता हूं। आज पूरे विश्व में पर्यावरण की रक्षा के लिए और उसे अक्षुण्ण बनाने के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे हैं क्योंकि आज विश्व के कई देश और हमारे देश के भी अनेक हिस्सों और शहरों में हम पर्यावरण के स्टैण्डर्ड मानक को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। आज पूरा विश्व पर्यावरण असंतुलन के कारण बुरी तरह प्रभावित है, पर्यावरण को दूषित करने वाले अनेक कारक हैं। आज विज्ञान एवं तकनीक में बेज़ाना विकास हो रहा है। नित नए उत्पाद विकसित हो रहे हैं जो कि हमारी जिन्दगी को सुगम एवं सुलभ बना रहे हैं, लेकिन साथ ही ये उत्पाद मानव जीवन तथा पर्यावरण के लिए मुसीबत ला रहे हैं। इन उत्पादों से होने वाले प्रदूषण से नित नई बीमारियां फैल रही हैं। घरों में लगने वाली ट्यूबलाइट तथा सीएफएल में होने वाली मर्करी का मानव जीवन एवं पर्यावरण पर बड़ा ही घातक असर होता है, जिसके कारण जनमानस में नित नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं जिससे जान और माल को बहुत नुकसान हो रहा है।

मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करना चाहूँगा कि हमारे देश में ट्यूबलाइट की पिछले करीब 50 साल और सीएफएल की पिछले करीब 18 से 20 वर्ष से उत्पादन एवं बिक्री की जा रही है लेकिन ये आश्चर्यजनक है कि अभी तक ट्यूबलाइट तथा सीएफएल को रिसाइकिल करने के लिए हमारे देश में कोई व्यवस्था नहीं की गयी है। इसके फलस्वरूप ग्राउंड वाटर और पर्यावरण दोनों ही दूषित हो रहे हैं जो कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत ही विनाशकारी साबित हो सकते हैं।

अतः मैं माननीय पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री जी से पूरे देश की तरफ से अनुरोध करूंगा कि मर्करी के वेस्ट मैनेजमेंट के लिए सभी संबंधित पक्षों का उचित एवं सख्त दिशा-निर्देश जारी करके एक निगरानी कमेटी गठित करने की एवं ट्यूबलाइट तथा सीएफएल में होने वाली मर्करी को रिसाइकिल करने के लिए उचित व्यवस्था की जाए।